लखनऊ, वरिष्ठ संवाददाता। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के बाद लखनऊ के मशहूर दशहरी आम और आम से बने प्रोडक्ट (आचार, मैंगो पल्प, पापड़) के लिए नया बाजार खुल गया है।

अब सऊदी अरब, ईरान, इराक के अलावा अमेरिका में भी उच्च गुणवत्ता का आम निर्यात होगा। कारोबारियों के मुताबिक वर्तमान में लखनऊ से हर साल करीब 300 टन आम का निर्यात होता है। इसमें सिर्फ तीन-चार टन ही अमेरिका निर्यात होता है। इससे न सिर्फ आम उत्पादकों व निर्यातकों के चेहरे पर मुस्कान आई है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई गति देने वाली है।

सप्लाई चेन की बाधाएं कम होने की संभावना

आम उत्पादक महमूद खान और रियाज हुसैन ने बताया कि वर्तमान में जो दशहरी आम स्थानीय बाजारों में 60 से 100 रुपये प्रति किलो बिकता है, अमेरिकी बाजारों में उसकी मांग और कीमत आसमान छू रही है। अनुमान है कि वहां यह 900 रुपये प्रति किलो तक बिकेगा। टैरिफ, कार्गो और हवाई भाड़े जैसे खर्चों को काटकर भी किसानों को प्रति किलो 600 रुपये तक की शुद्ध बचत होने की उम्मीद है। आम उत्पादक सुरेन्द्र कुमार और नौशाद अली ने बताया कि अमेरिकी डील से सप्लाई चेन की बाधाएं कम होंगी। सीधे एक्सपोर्ट होने से बिचौलियों की भूमिका खत्म होगी और 'मलिहाबादी दशहरी' का असली स्वाद अब दुनिया के सबसे रसूखदार बाजार तक पहुंचेगा।

पल्प, अचार और पापड़ की बढ़ेगी हिस्सेदारी

इंडो अमेरिकन चैम्बर ऑफ कॉमर्स यूपी कॉर्डिनेशन कमेटी के चेयरमैन मुकेश सिंह ने बताया कि भारत दुनिया का 83 प्रतिशत मैंगो पल्प निर्यात करता है। सीआईआई सदस्य व आम आचार निर्यातक कुनाल अरोड़ा ने बताया कि भारतीय अचार की मांग बढ़ रही है।

अमेरिकी बाजार में लखनऊ के आम की भारी मांग: इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) और आम निर्यातक शेख मोहम्मद तारिक ने बताया कि अमेरिकी बाजार में भारतीय प्रवासियों के बीच लखनऊ के आमों की भारी मांग है, जो अब आसानी से पूरी हो सकेगी। इससे आम किसानों और निर्यातकों को फायदा होगा। हालांकि अमेरिका को आम निर्यात करने के लिए 'इरेडिएशन' प्रक्रिया अनिवार्य है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश में यह तकनीक उपलब्ध नहीं है, जिसके कारण व्यापारियों को आम पहले बेंगलुरु या मुंबई भेजना पड़ता है, जहां से इसे अमेरिका एक्सपोर्ट किया जाता है। हालांकि नोएडा में इरेडिएशन प्लांट का निर्माण हो रहा है। इसके शुरू होने से लखनऊ से सीधे अमेरिका माल भेजा जा सकेगा। वहीं मलिहाबाद के आम निर्यातक उमंग गुप्ता ने बताया कि लखनऊ में हर साल करीब 1,37,287 मीट्रिक टन आम का उत्पादन होता है। इसमें करीब 300 टन आम खाड़ी देशों को भेजा जाता है, क्योंकि वहां 'इरेडिएशन' प्रक्रिया की अनिवार्यता नहीं है। इसमें अमेरिका की हिस्सेदारी तीन-चार टन है।

नए द्वार खुले

भारत अमेरिकी समझौते से नये द्वार खुल गये हैं। अब मैंगो प्रोसेस्ड प्रोडक्ट अमेरिका निर्यात बढ़ेगा। इसके लिए नोएडा में इरेडिएशन प्लांट का निर्माण हो रहा है। **शेख तारिक**, आम निर्यातक

आम निर्यातकों को आम पहले बेंगलुरु या मुंबई भेजना पड़ता है, जहां से इसे अमेरिका एक्सपोर्ट किया जाता है। नोएडा में इरेडिएशन प्लांट से राहत मिलेगी। **उमंग गुप्ता**, आम निर्यातक